Jesus Film Project®
A Cru Ministry

विचार करें यीशु पर

छोटे समुदाय के लिये एक 10 सप्ताह
की योजना

यीशु पर विचार करें

छोटे समुदाय के लिये एक 10 सप्ताह की योजना

फिल्म, मगदलीना का प्रयोग करते हुए, जो कि शेम *की ओर से प्रकाशित की गयी थी, लोगों को यह बेहतर ढंग से समझने में मदद करें कि यीशु कौन है और उसके पीछे चलने का क्या अर्थ है।*

Jesus Film Project®
A Cru Ministry

परमेश्वर आपके समुदाय के बीच मे अपने राज्य को स्थापित करने के लिये उपयुक्त तरीकों से आपको उपयोग करेगा।

एक पल याद कीजिए, जब आपने पहली बार यीशु को, उसके तरस को, उसकी नम्रता को, उसकी पवित्रता को, उसकी दयालुता को और उसके वैभव को जाना था। उसमें वह सब कुछ था, जिसकी आपने आशा की और उसमें वह सब कुछ था, जो आपको बचा सकता था और छुड़ा सकता था। वह आपके लिये और सभी राष्ट्रों के लिये और सभी लोगों के लिये आशा है।

प्रेरित यूहन्ना प्रकाशितवाक्य की पुस्तक मे लिखता है:

"इसके बाद मैंने दृष्टि की, और देखो, हर एक जाति और कुलों और लोगों और भाषाओं में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था, श्वेत वस्त्र पहिने और अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिये हुए, सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खड़ी है, और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, 'उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय – जयकार हो'" (प्रकाशितवाक्य 7:9-10, बीएसआई)।

आपके पास इस बात की अद्भुत समझ है कि राजाओं का राजा कौन है, और हम आपको उसे दूसरों के साथ साझा करने और परमेश्वर के परिवार में एक साथ बढ़ने के लिए तैयार करना चाहते हैं।

मत्ती रचित सुसमाचार के आखिरी वचनों मे यीशु ने कहा:

"इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदा तुम्हारे संग हूँ" (मत्ती 28:19-20, बीएसआई)।

वह हमे कहता है जाओ, चेले बनाओ, उन्हें बपतिस्मा दो और उन्हे सिखाओ और वह हमेशा, हर घाटी में और हर पर्वत की चोटी पर हमारे साथ रहेगा। *यीशु पर विचार करें* हमें एक बेहतरीन योजना प्रदान करने में मदद करता है। यह ऐसे समर्पित शिष्यों को आकार देने में आपकी मदद कर सकता है, जो अपने जीवन को समर्पित करते हैं, ताकि इसके द्वारा वे अधिक गहराई से सीखें कि यीशु कौन है।

यीशु पर विचार करें, शेम *की ओर से प्रकाशित की गयी फिल्म* मगदलीना, के कुछ हिस्सों का उपयोग करता है: जो मरियम मगदलिनी के नजरिए से, उसकी गवाही के माध्यम से यीशु की बाइबल मे दी गयी सच्चाई को दर्शाता है। यह परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहां तक कि परिचितों के साथ एक छोटे समूह में उपयोग करने के लिए एक शानदार संसाधन है। जब लोग फिल्म के हर एक भाग को देखते हैं, तो वे यीशु के जीवन, आश्चर्यकर्मों, मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में अधिक जान सकते हैं। बहुत से लोग जब यह जानेंगे कि यीशु कौन है, तो वे यीशु का अनुसरण करने के लिए विवश हो जाएंगे, जबकि अन्य लोग उसके बारे में और अधिक जानना चाहेंगे। श्रृंखला के अंत में, *यीशु पर विचार करें* जीसस फिल्म प्रोजेक्ट® द्वारा बनाए गए *रिव्का* या *यीशु को जानना* जैसे संसाधनों का उपयोग करके आगे छोटे समूह चर्चा के लिए निमंत्रण प्रदान करता है®।

यीशु पर विचार करें का प्रयोग करने के लिये चार साधारण चरण हैं।

पहला चरण

01

निर्धारित करें कि आप कहाँ तक पहुंचना चाहेंगे

क्या ऐसा कोई है, जो यीशु के बारे मे अधिक जानना चाहता है? क्या आस-पास कोई गाँव या पड़ोस है, जिन्हें उसे जानने की जरूरत है? किसी दोस्तों के समूह में या साथ काम करने वालों के समूह में?

सबसे पहले, उस स्थान में एक "शान्तिपूर्ण व्यक्ति" की पहचान करें। लूका 10:6 में, यीशु अपने 72 चेले को उसका संदेश लेकर इस निर्देश के साथ भेजता है कि वे जिस-जिस स्थान में जाएं वे अपनी मेजबानी के लिए एक शान्ति के व्यक्ति की खोज करें।

एक शांतिपूर्ण व्यक्ति जरूरी नहीं है कि वह एक विश्वासी हो:

- जरूरी नहीं कि वह मसीह और उसकी शिक्षाओं के प्रति खुला हो,
- समुदाय मे प्रभावशाली या प्रसिद्ध हो
- आपके चुने हुए समुदाय को अपने समुदाय मे परिचित कराने के लिये इच्छुक हो या उपलब्ध हो
- फिल्म *मगदलीना* को दूसरों को निमंत्रण करके उसे दिखाने मे आपकी मदद करने मे इच्छुक हो।

हमारा सुझाव है कि आप इस व्यक्ति के साथ रिश्ता बनाएं। आप इस तीन-चरणीय प्रक्रिया का उपयोग अपने शांतिपूर्ण व्यक्ति के साथ अपने रिश्ते को विकसित करने में मदद के लिए एक मार्गदर्शक उपकरण के रूप में कर सकते हैं।

अ. प्रार्थना

इस शान्तिपूर्ण व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपको दिखाए कि वह व्यक्ति कौन है-कोई ऐसा व्यक्ति जो आपको अपने परिवार और दोस्तों से मिलवाएगा। जैसे ही यह व्यक्ति आपको मिल जाए, उससे पूछें कि आप उसके लिए क्या प्रार्थना कर सकते हैं।

ब. परवाह

जैसे ही आप इस नए दोस्त के लिए प्रार्थना करते हैं और उसकी जरूरतों को समझना शुरू करते हैं, तो उसके द्वारा बताई गयी जरूरतों को सुनकर और उन्हें पूरा करके यह दिखाएं कि आप उसकी परवाह करते हैं। एक सच्चे और सहयोगी मित्र बनें।

स. साझा

जैसे ही हम लोगों की सुनते हैं और उनकी जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं, हमें यीशु का सुसमाचार साझा करने का सौभाग्य मिलता है। जब यह अवसर अपने आप आपको मिले, तो यदि वह पहले से इसके बारे में नही जानता है, तो अपने शान्तिपूर्ण व्यक्ति के साथ यीशु और उसकी क्षमा का सुसमाचार साझा करें।

दूसरा चरण

02

सेम *में प्रकाशित की गई* मगदलीना: दिखाएं

इस प्रक्रिया के लिए, हम उदाहरण के रूप में एक महिला समूह का उपयोग करेंगे, हालांकि, पुरुषों और परिवारों का भी स्वागत है और उन्हें *यीशु पर विचार करें* का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है!

अपने शान्तिपूर्ण व्यक्ति के साथ, चाहे उसी के घर पर, कुछ महिलाओ को मगदलीना देखने के लिए आमंत्रित करे। साथ में खाना खाएं और उसके बाद फिल्म देखें या कुछ नाश्ता और पीने के लिए कुछ दें। इसमें भाग लेने वाले वाले प्रत्येक व्यक्ति की अच्छी तरह से देखभाल करें और उदार अतिथि सत्कार का अभ्यास करें।

मगदलीना 200 से अधिक भाषाओं में जीसस फिल्म प्रोजेक्ट की वेबसाइट और जीसस फिल्म प्रोजेक्ट ऐप पर निःशुल्क उपलब्ध है। यदि आपके पास यूएसबी पोर्ट वाले टेलीविजन हैं, तो *मगदलीना* दिखाने के लिए फ्लैश ड्राइव का उपयोग करें। यदि आपके पास ब्लूटूथ स्पीकर के साथ टैबलेट का सेट है, तो आप फिल्म को 10 लोगों तक के एक छोटे समूह या बड़े वातावरण में और भी अधिक लोगों को दिखा सकते हैं।

फिल्म के अंत में, अपने दर्शकों को आगे की सहभागिता के लिए दो निमंत्रण दें:

सबसे पहले, महिलाओं को यीशु का अनुयायी बनने के लिए आमंत्रित करें। अपनी खुद की गवाही साझा करें और इसे फिल्म में देखी गई कहानियों से जोड़ने पर विचार करें।

दूसरा, उन्हें यीशु के बारे में और अधिक बात करने के लिए अगले दिन वापस आने के लिए आमंत्रित करें! उन्हें उन मित्रों को लाने की चुनौती दें जिनकी रुचि हो। इस तरह आप उनके प्रश्नों का समाधान कर सकते हैं और साथ ही *यीशु पर विचार करें* पाठ्यक्रम के माध्यम से मसीह की कहानियों का अध्ययन करना शुरू कर सकते हैं।

इसके बाद, उपस्थित महिलाओं को जानने में समय व्यतीत करें। फिल्म में उन्होंने जो कहानियाँ और विषय-वस्तु देखीं, वे उनकी अपनी कहानी के उन हिस्सों को सतह पर ला सकती हैं, जो दर्दनाक हैं। यदि आवश्यक हो तो उनके लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना करने की पेशकश करें।

अब सबसे उत्तम चरण आता है।

तीसरा चरण

03

अपना नया *यीशु पर विचार करें* छोटा समूह शुरू करें

प्रत्येक महिला के लिए प्रार्थना करें जिसने यीशु और छोटे समूह में रुचि दिखाई – कि उसके दिल की मिट्टी नरम हो जाए और पवित्र आत्मा द्वारा बदल दी जाए। प्रार्थना करें कि यीशु की प्रत्येक कहानी उन पर महत्वपूर्ण और सार्थक तरीकों से प्रभाव डाले, और वे व्यक्तिगत रूप से कहानियों से जुड़ें।

इस सभा और उसके बाद की सभाओं में, आप यीशु के बारे में अधिक जानने और उसके बारे में एक साथ बात करने के लिए फिल्म *मगदलीना* के 10 भागों का उपयोग करें। यहां प्रत्येक भाग के लिए सामान्य विषय दिए गए हैं:

1. हर महिला देखे और जाने
2. यीशु: एक भविष्यद्वक्ता से कहीं अधिक बढ़कर है
3. बंधन से छुटकारा
4. यीशु की दया
5. संघर्ष और पूर्वाग्रह
6. चंगाई और पुनरुत्थान
7. शर्म और सम्मान
8. यीशु और उसकी दया को जानना
9. यीशु को स्वीकार करने और दूसरों के साथ साझा करने की इच्छा
10. यीशु के साथ जीना

आने वाले सप्ताहों के दौरान, आपके नए समूह की समझ यीशु मसीह के बारे में और उसका अनुयायी होने का क्या मतलब इसके बारे में बढ़ेगी। उन्हें मसीह समुदाय में जीवन का अनुभव करने का भी अवसर मिलेगा।

प्रत्येक सभा के लिए हम गहरी मित्रता को बढ़ावा देने के लिए तीन-तिहाई (3/3) प्रारूप का उपयोग करते हैं। 3/3 प्रारूप एक व्यावहारिक समूह संरचना है, जो आपकी सभाओं के लिए एक आसान तरीका और दिनचर्या प्रदान करती है और आपके प्रोत्साहन और विकास को सुनिश्चित करती है। इसमें तीन भाग होते हैं: पीछे देखना, ऊपर देखना और आगे देखना।

टिप्पणी: *यीशु पर विचार करें* को परमेश्वर की बुलाहट को आपके जीवन में पूरा करने में आपकी मदद करने के लिए एक खाके के रूप में तैयार किया गया है। **कृपया अपनी सांस्कृतिक आवश्यकताओं को सर्वोत्तम रूप से स्थान देने के लिए इसे अपने अनुरूप बनाने में संकोच न करें!**

तीन-तिहाई

शिष्य बनाने के प्रशिक्षण की एक प्रक्रिया

पीछे देखना

- **परवाह:** पूछें कि आप कैसे हैं। जीवन की कहानियाँ और पृष्ठभूमि साझा करें।
- **आराधना:** गीत और प्रार्थना में एक साथ आराधना करें।
- **विश्वासयोग्यता की खुशी:** साझा करें कि आप जो सीख रहे हैं, उसे कैसे लागू कर रहे हैं।
- **लक्ष्य निर्धारण:** साझा करें कि यीशु आपके जीवन को कैसे बदल सकता हैं। एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

- **दिखाना:** भागों को दो बार देखें। यीशु के बारे में एक साथ मिलकर एक नई कहानी सीखें।
- **बताना:** किसी को उस भाग की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
- **पूरा करना:** कहानी में खाली स्थान भरने के लिए दूसरों को आमंत्रित करें।
- **चर्चा करना:** जितने समय की अनुमति मिले उतना समय प्रश्नों पर चर्चा करें।

आगे देखना

- **लागू करना:** निर्धारित करें कि आपने जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे।
- **अभ्यास करना:** एक दूसरे को कहानी सुनाएं।
- **साझा करना:** चर्चा करें कि कौन कहानी सुनाएगा।
- **प्रार्थना करना:** आपने जो सीखा उसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। सभा में एक-दूसरे और अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करें।

चौथा चरण

04

अगला कदम उठायें

यीशु पर विचार करें का अंतिम अध्याय मसीही जीवन जीने पर चर्चा करेगा। इस भाग में, मरियम यीशु का अनुसरण करने की उच्च बुलाहट और उसके मूल्य पर विचार करती है। यदि आपके समूह के लोग तैयार हैं, तो उन्हें उनके अगले कदम के लिए मार्गदर्शन करना महत्वपूर्ण होगा। **यह आपके समूह के एक या अधिक सदस्यों को अपना स्वयं का *यीशु पर विचार करें* समूह शुरू करने और उन्होंने जो कुछ पाया है, उसे दूसरों के साथ साझा करने के लिए चुनौती देने का एक शानदार अवसर हो सकता है।** यदि आपका समूह एक साथ मिलना जारी रखना चाहता है, तो हम उसे एक नए समूह अध्ययन जैसे कि *रिव्का* या *यीशु को जानना* में परिवर्तन करने की सलाह देते हैं। आप इन दोनों अध्ययनों पर अधिक जानकारी नीचे पा सकते हैं:

रिव्का सूचनात्मक पृष्ठ:
www.jesusfilm.org/partners/resources/strategies/women/gather-and-grow/

यीशु को जानना सूचनात्मक पृष्ठ:
www.jesusfilm.org/partners/resources/strategies/knowing-jesus/

यीशु को जानना प्रचार वीडियो:
www.youtube.com/watch?v=MkYpNK5OvKk

अगुवों के तुरंत संदर्भ के लिये मार्गदर्शिका

खंड अध्ययन को कैसे पूरा करें

मगदलीना को मरियम के जीवन के उन क्षणों का बेहतर अध्ययन करने के लिए कई भागों में विभाजित किया गया है, जहां उसने यीशु को मानवीय भ्रष्टता पर शक्तिशाली रूप से विजय प्राप्त करते देखा था। अपने गहन अध्ययन का मार्गदर्शन करने का सबसे अच्छा तरीका दिए गए प्रारूप में एक-एक करके सभी खंडों से परिचित होना है।

प्रत्येक सप्ताह सभी प्रश्नों से परिचित होना आवश्यक नहीं है। मुख्य बात यह है कि आपके समूह के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से चर्चा करने की अनुमति मिले कि यीशु कौन हैं और यह भाग मरियम के जीवन के बदलाव के बारे में क्या प्रकट करता है। एक सुविधा देने वाले के रूप में यह भी आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने समूह के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाएं। ऐसा करने के लिए, आपकी भूमिका, सुनने और मार्गदर्शन करने की है। इसका उद्देश्य एक *समूह* चर्चा का होना चाहिए, न कि उपदेश देना।

वीडियो तक पहुंचने के लिए, अपने जीसस फिल्म प्रोजेक्ट ऐप पर जाएं और नीचे तिरछे अक्षरों में दर्शाए गए शीर्षक के अनुसार प्रत्येक भाग को खोजने के लिए खोज बार का उपयोग करें, या उन्हें जीसस फिल्म प्रोजेक्ट वेबसाइट पर जाकर खोजें।

इस अध्ययन में उपयोग की गई फिल्म *मगदलीना* के अलग-अलग भाग यहां दिए गए हैं:

अध्याय 1: हर महिला देखे और जाने (भाग: *मरियम मगदलिनी का रिव्का के घर जाना*)।
अध्याय 2: यीशु एक भविष्यद्वक्ता से कहीं अधिक बढ़कर है (भाग: *मरियम के लिए पुकार*)।
अध्याय 3: बंधन से छुटकारा (भाग: *मरियम मगदलिनी का दुष्टातमाओं से मुक्त होना*)।
अध्याय 4: यीशु का तरस (भाग: *यीशु के द्वारा विधवा के बेटे को जिलाना*)।
अध्याय 5: संघर्ष और पूर्वाग्रह (भाग: *कुएँ पर एक महिला*)।
अध्याय 6: चंगाई और पुनरुथान (भाग: *लहू बहने के रोग वाली स्त्री*)।
अध्याय 7: शर्म और सम्मान (भाग: *व्यभिचारिणी स्त्री को क्षमा किया गया*)।
अध्याय 8: यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान (भाग: *मरियम द्वारा यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में बताना*)।
अध्याय 9: यीशु और उसकी क्षमा को जानना (भाग: *रिव्का का विश्वास करना*)।
अध्याय 10: यीशु के साथ जीना (भाग: *मसीही जीवन जीना*)।

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको जैसा आप उस पर विश्वास करते हैं, आशीष दे कि उसके राज्य को बढ़ाने के लिए वह आपको उपयोग करेगा।

अध्याय 1 प्रत्येक महिला देखे और जाने

मरियम मगदलीनी रिव्का के घर जाती है (भजन सहिंता 139)

पीछे देखना

परवाह

- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना

- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी

- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण

- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित रें।

ऊपर देखना

परमेश्वर की मुलाकात, जंगल के बीच में, खोई हुई, अकेली और निराश, हाजिरा नाम की एक दासी से हुई। बाइबल बताती है, "तब उसने यहोवा का नाम जिसने उससे बातें की थीं, अत्ताएलरोई रखकर कहा, 'क्या मैं यहाँ भी उसको जाते हुए देखने पाई और देखने के बाद भी जीवित रही? '" (उत्पत्ति 16:13-14, बीएसआई)। आज हम भी परमेश्वर के बारे में सीखने के लिए एक साथ अपनी यात्रा शुरू करते हैं, जो वास्तव में हम में से प्रत्येक को देखता और जानता है।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा। नोट: सभी प्रश्नों को पूरा करना आवश्यक नहीं है:

अपने स्मार्ट डविाइस पर अपनी भाषा मे इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करे।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. आपको क्या लगता है कि रिव्का को इस बात पर संदेह क्यों था कि परमेश्वर उससे प्रेम करता होगा या उसे जानता भी होगा?
3. आज ऐसे बहुत से लोग हैं, जो परमेश्वर के बारे में बात करते हैं। हम कैसे जान सकते हैं कि परमेश्वर वास्तव में हमारे बारे में क्या सोचता या महसूस करता है?
4. भजन 139:1-18 पढ़ें। भविष्यद्वक्ता दाऊद इस अनुच्छेद में बताता है कि परमेश्वर हमें कितनी अच्छी तरह से जानता है?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. यह जानकर आपको कैसा महसूस होता है कि परमेश्वर आपके बारे में सब कुछ देखता और समझता है?
6. दाऊद लिखता है कि परमेश्वर हमारे बारे में सब कुछ जानता है, फिर भी वह हमसे प्रेम करने और हमारी अगुवाई करने में वफादार है, और हमेशा हमारे साथ है। आपको क्या लगता है कि हम कभी-कभी इस बात पर विश्वास करने में विफल क्यों हो जाते हैं?

निष्कर्ष

इस बात पर विचार करें कि आपके बनाने वाले के द्वारा आपको पूरी तरह से जानना और पूरी तरह से प्रेम किए जाने का क्या मतलब होगा। क्या होगा अगर आपके जीवन के हर हिस्से को देखा जाए, उसे ढक दिया जाए और उसकी सराहना की जाए? यीशु आपकी सभी असफलताओं के लिए क्षमा प्रदान करता है और आपके पूरे जीवन के लिए एक उद्देश्य प्रदान करता है। वह अपने पास आने वाले सभी लोगों को अनन्त जीवन का और अपनी स्थायी उपस्थिति का वादा करता है। आप परमेश्वर के स्वरूप में और उसकी अपनी समानता के अनुसार बनाए गए थे। आप प्रतिष्ठित और मूल्यवान हैं, क्योंकि आप परमेश्वर के स्वरूप में बनाये गये हैं (उत्पत्ति 1:26-27)। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना

- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना

- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना

- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना

- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 2 यीशु: एक भविष्यद्वक्ता से कहीं अधिक बढ़कर है

मरियम के लिए पुकार(लूका 1:26-37)

पीछे देखना

परवाह

- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना

- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना करे।

विश्वासयोग्यता की खुशी

- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण

- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहि करें।

ऊपर देखना

यीशु मसीह के आने से सौ साल पहले, भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यद्वाणी की थी कि इस्राएल को एक चिन्ह दिया जाएगा: एक कुंवारी एक पुत्र को जन्म देगी (यशायाह 7:14)। इस पुत्र, यीशु ने स्वयं को इतना दीन बना लिया कि वह सभी प्राणियों में एक बालक की तरह दीन बन गया। उसने मानवता का पूरी तरह से अनुभव किया, यह प्रदर्शित करते हुए कि वह न केवल पूरी तरह से परमेश्वर था, बल्कि पूरी तरह से मनुष्य भी था। वह हमारे साथ संबंध को बहाल करने के लिए बढ़ते दर्द, बीमारी, भूख, प्यास, दुःख और घाव का सामना करने को तैयार था। और जब यीशु का जन्म हुआ, तो वह एक कुंवारी से पैदा हुआ था: कुंवारी मरियम से।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. आपको क्या लगता है, जब मरियम ने स्वर्गदूत का समाचार सुना तो उसे कैसा महसूस हुआ होगा? अगर ऐसा समाचार आपको मिलता तो आपको कैसा लगता?
3. स्वर्गदूत कहता है, "परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।" अभी आपको क्या असंभव लगता है?
4. इसका क्या मतलब है कि स्वर्गदूत ने कहा कि बच्चा "परमेश्वर का पुत्र" कहलाया जाएगा?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. क्या आपको लगता है कि यीशु का जन्म एक कुंवारी कन्या से होना एक महत्वपूर्ण बात है?

निष्कर्ष

यीशु के गर्भ में आने और जन्म की अविश्वसनीय प्रकृति पर विचार करें। वह परमेश्वर और मनुष्य दोनों हैं। वह संसार का सृष्टिकर्ता और मनुष्य दोनों है। वह ऐसा व्यक्ति है, जिसे हम एक उद्धारकर्ता के रूप में पहचान सकते हैं और उस पर भरोसा कर सकते हैं। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना

- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना

- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना

- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना

- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 3 बंधन से छुटकारा

मरियम मगदली का ष्टात्माओं से आजाद होना (लूका 8:1-2)

पीछे देखना

परवाह

- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना

- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना करें।

विश्वासयोग्यता की खुशी

- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण

- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

मानव तस्करी, बुरे कामों की लत, समस्या से बचने की आदत। आज हमारी दुनिया में कई तरह की गुलामी है। बाइबल हमें सिखाती है कि मानवता पाप की गुलाम है, लेकिन यह ये भी सिखाती है कि आजादी पाई जा सकती है। इस कहानी में, गुलामी और दुष्टात्माओं से पीड़ित मरियम को यीशु के अधिकार और सामर्थ्य का सामना करते हुए देखें।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

1. *आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?*
2. *मरियम की गुलामी का उस पर व्यक्तिगत रूप से और उसके समुदाय पर क्या प्रभाव पड़ रहा था?*
3. *मरियम के प्रति यीशु की प्रतिक्रिया से उसके बारे में क्या पता चलता है?*
4. *यीशु के द्वारा आजाद किए जाने के बाद मरियम कैसे परिवर्तित हो गयी?*

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...

5. *यह क्यों महत्वपूर्ण है कि दुष्टात्माएँ जानती थीं कि यीशु कौन था, और उसे "परमेश्वर का पवित्र" कहती थी?*
6. *आपको क्या लगता है कि मरियम को स्वतंत्र करते हुए देखने के बाद तमाशा देखने वालों ने यीशु के बारे में क्या सोचा होगा?*
7. *कल्पना कीजिए कि अगर आप इस कहानी में मरियम होती। तो आपको क्या लगता है कि आपने यीशु के प्रति कैसा महसूस किया होता?*

निष्कर्ष

कहानी में मरियम द्वारा अनुभव की गई स्वतंत्रता पर विचार करें। स्वतंत्र होने के बाद उसकी आँखों में जो स्पष्टता थी, उसने जो आभार व्यक्त किया और उसके पूरे जीवन में जो बदलाव आया, उसे याद करें। क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि यह खंड की शुरुआत से वही महिला है? यीशु के द्वारा आपको आपके बंधनों और दासता से मुक्त करके राहत देने की कल्पना करें। आप कैसे नया बनना चाहते हैं? उसे अपने कंधों से वह भार उठाने दें जो आप उठा रहे हैं और उसका अनुसरण करें। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना

- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना

- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना

- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना

- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 4 यीशु का तरस

यीशु का विधवा के बेटे को जिलाना (लूका 7:11-17)

पीछे देखना

परवाह

- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना

- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी

- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण

- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

शोक को ऐसे गहरे दुःख के रूप में परिभाषित किया गया है, जैसा किसी विशेष की मृत्यु के कारण होता है। इस कहानी में एक विधवा दुःखी है, क्योंकि उसका इकलौता बेटा मर गया है। मरियम यीशु को उस स्त्री की ओर बढ़ते और उसकी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए देखती है। इस उदाहरण में, यीशु ने उसके इकलौते बेटे को ठीक करने का फैसला किया — और उसे उसका सबसे कीमती उपहार वापस दे दिया। हो सकता है कि वह हमेशा ऐसा करना न चुने, लेकिन हम हमेशा हर परिस्थिति में, यहां तक कि सबसे दर्दनाक दुःख में भी, उसकी स्थायी उपस्थिति पर भरोसा कर सकते हैं।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. यीशु विधवा को संबोधित करने के लिए जो कर रहा था, उसे रोक देता है। इससे उसके हृदय के बारे में क्या पता चलता है?
3. क्या यह यीशु के बारे में ऐसा कहता है कि वह मृतकों को जीवित करने में सक्षम है?
4. क्या आप कभी ऐसी स्थिति में रहे हैं जो आपको निराशाजनक लगी हो?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. जब यीशु ने लड़के को मरे हुओं में से जिलाया तो लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया की? उस विधवा ने क्या प्रतिक्रिया दी?
6. क्या ऐसी कोई चीज़ या कोई व्यक्ति है जिसके लिए आप इस समय दुःख मना रहे हैं? यदि हां, तो क्या आप उस दुःख से उबरने में परमेश्वर पर भरोसा करने को तैयार हैं?

निष्कर्ष

केवल परमेश्वर ही मुर्दों को श्वास दे सकता है। इस सत्य पर विचार करें कि यीशु ही परमेश्वर है। उसने न केवल इस व्यक्ति को, बल्कि अपनी पूरी सेवकाई में तीन बार मुर्दों को जीवित किया है और कर सकता है। वह न केवल सर्वशक्तिमान है, बल्कि वह दयालुता, उदारता और शान्ति से भरपूर है। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना

- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना

- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना

- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना

- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 5 संघर्ष और पूर्वाग्रह
कुएं पर एक स्त्री (यूहन्ना 4:1-42)

पीछे देखना

परवाह
- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना
- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी
- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण
- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि किसी ने आपकी आलोचना की है या आपको नीची दृष्टि से देखा है? इस कहानी में, मरियम एक बहिष्कृत सामरी स्त्री पानी के कुएं तक अपनी दैनिक यात्रा करते हुए दिखाई देती है। यह आशा करते हुए कि किसी से न टकराए, वह दिन की गर्मी में अकेली चलती है। जब वह आती है, तो एक पुरुष को देखकर निराश हो जाती है। उसे पता चलता है कि वह न केवल एक पुरुष है, बल्कि एक यहूदी भी है। सामरी, यहूदी और गैर-यहूदी लोगों का मिश्रण थे, जिन्होंने धार्मिक विचारों और मान्यताओं को मिश्रित किया था। यहूदी और सामरी एक-दूसरे का तिरस्कार करते थे, लेकिन दोनों समूह, आने वाले मसीहा, या उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा कर रहे थे, जो उन्हें उनके पापों की क्षमा दिलाएगा। स्त्री के आश्चर्य की कल्पना करें जब वह पुरुष यीशु, सामाजिक अवमानना को नजरअंदाज करता है और उसके पास पहुंच जाता है। कहानी के अंत तक, बहिष्कृत सामरी स्त्री ऐसी पहली महिला बन जाती है, जिसके सामने यीशु स्पष्ट रूप से स्वयं को मसीहा के रूप में प्रकट करता है।

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. यह क्यों महत्वपूर्ण है कि यीशु उस स्त्री के अतीत के बारे में सब कुछ जानता था?
3. आपको क्या लगता है कि उस महिला को कैसा महसूस हुआ होगा, जब यीशु ने उसे उसके जीवन और पिछले पापों के बारे में सब कुछ बताया?
4. जब शिष्यों ने यीशु को सामरी स्त्री से बात करते देखा, तो उनकी प्रतिक्रिया से उनकी मानसिकता कैसे प्रकट हुई? यह यीशु के बारे में क्या कहती है?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. आपको क्या लगता है कि इस कहानी में यीशु अपने चेलों को क्या सिखाने की कोशिश कर रहा था?
6. जब यीशु ने उस स्त्री से कहा कि वह वादा किया हुआ मसीहा है, तो उसने क्या किया?

निष्कर्ष
विचार करें कि इसका क्या मतलब है कि यीशु आपके अतीत के बारे में सब कुछ जानता है: आपके द्वारा लिया गया हर गलत निर्णय, हर शर्मनाक क्षण और आपकी सारी शर्मिंदगी सब कुछ। अब इस सच्चाई पर विचार करें कि सब कुछ उजागर होने के बाद भी, वह आपको अभी भी सम्मान और गरिमा के साथ देखता है। और न केवल आपको बल्कि उन लोगों को भी जिनसे आप घृणा कर सकते हैं। सभी लोगों के लिए उसे जानने की उसकी इच्छा पर विचार करें। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना
- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना
- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना
- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना
- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 6 चंगाई और पुनरुथान

लहू बहने के रोग वाली स्त्री (लूका 8:40-48)

पीछे देखना

परवाह
- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना
- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी
- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण
- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

क्या आपने कभी किसी शारीरिक या भावनात्मक दु:ख से छुटकारा पाने के लिए इतना हताश महसूस किया है कि आपने उसे ठीक करने के लिए हर संभव प्रयास किया हो? इस उम्मीद में कि किसी का ध्यान न जाए, इस कहानी में स्त्री का मानना था कि अगर वह सिर्फ यीशु के वस्त्र को छू सकती है, तो वह अंततः लहू बहने की स्थिति से ठीक हो सकती है, जो वर्षों के इलाज के दौरान और भी गंभीर हो गई थी। लहू बहने की स्थिति ने उसे बहिष्कृत बना दिया था और उस समय की धार्मिक परंपराओं के अनुसार उसे अशुद्ध घोषित कर दिया था। एक बड़ी भीड़ के बीच में, उसने यीशु को छूने की कोशिश करने का फैसला किया क्योंकि मरियम और अन्य लोग पास में खड़े थे। यह देखने के लिये कि क्या होता है।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. आपको क्या लगता है कि यीशु ने उस स्त्री से भीड़ के सामने उसकी पहचान क्यों पूछी?
3. स्त्री के अंगीकार पर यीशु की प्रतिक्रिया क्यों महत्वपूर्ण है?
4. कल्पना कीजिए कि कहानी में आप वह महिला हैं। चंगाई के बाद पहले क्षण आपको कैसा लगेगा और यीशु के प्रति कैसा महसूस करेंगे?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. इसका क्या मतलब है कि यीशु वह करने में सक्षम है जो कोई और नहीं कर सकता?
6. आपको क्या लगता है कि यीशु से पहले उस स्त्री का जीवन कैसा था?

निष्कर्ष
एक बड़ी भीड़ के बीच में स्त्री ने आगे बढ़कर यीशु के वस्त्र को छुआ। जैसे ही उसने अपने वस्त्र में चंगाई महसूस की, उसे यह भी महसूस हुआ कि उसके शरीर में बहाली आ गई है। वह चंगी हो गई थी! कल्पना कीजिए कि उसे कितनी राहत और आभार महसूस किया होगा। यीशु ने कहा, "बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है। कुशल से चली जा।" उसके शब्दों पर विचार करें। यह बात उसने उसके अंगीकार करने के बाद कही थी। उन लोगों की भीड़ के सामने जिन्होंने उसे अशुद्ध घोषित कर दिया था, यीशु ने उसे बेटी कहा और उसके विश्वास का सम्मान किया। यीशु उन दु:खों और घावों की चिंता करता है, जो हम महसूस करते हैं। वह हमारी टूटी हुई स्थिति और शर्मिंदगी में हमसे मिलना चाहता है। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना
- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना
- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना
- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना
- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 7 शर्म और सम्मान

व्यभिचारिणी स्त्री को क्षमा किया जाना (यूहन्ना 8:1-11)

पीछे देखना

परवाह
- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना
- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी
- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण
- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

यीशु के समय के धार्मिक गुरुओं ने नियमों और व्यवस्था के एक विशेष समूह पर ध्यान केंद्रित किया जिसे "मूसा की व्यवस्था" कहा जाता था। परमेश्वर के साथ संबंध बनाए रखने के लिए लोगों को व्यवस्था का पूरी तरह से पालन करना होता था। दुर्भाग्य से, कोई भी व्यवस्था के सभी नियमों का पालन नहीं कर सकता, क्योंकि हम सभी की समस्या एक ही है: पाप। इब्रानी में पाप का अर्थ है "असफल होना" या "लक्ष्य से चूक जाना।" व्यवस्था के अनुसार, हम सभी दोषी हैं और मृत्यु के योग्य हैं। एक उद्धारकर्ता के बिना, हम सभी अपराधी हैं। फिर भी यीशु हमारे स्थान पर हमारे पापों का दंड चुकाने के लिए स्वयं को बलिदान करने के लिए जगत में आया। इस कहानी में एक पापिनी स्त्री को यीशु के पास लाया जाता है। यह देखने के लिये कि क्या होता है।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. व्यवस्था के अनुसार, व्यभिचार में पकड़े गए पुरुष और स्त्री दोनों को दंडित किया जाना था, लेकिन केवल स्त्री को यीशु के पास लाया गया था। आपको क्या लगता है कि केवल स्त्री को ही न्याय के लिए क्यों लाया गया?
3. धार्मिक गुरुओं और स्त्री दोनों के प्रति यीशु की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण क्यों है?
4. आपको क्या लगता है कि यीशु को यह कहते हुए सुनकर कि "मैं भी तुम्हें दोषी नहीं ठहराऊंगा" उस स्त्री को कैसा लगा होगा?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. आपको क्या लगता है यीशु इस तरह से प्रतिक्रिया क्यों देता है? आपको क्या लगता है वह उन्हें क्या समझाना चाहता है?
6. यदि आप धार्मिक गुरुओं के स्थान पर होते, तो यीशु के उत्तर पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होती?

निष्कर्ष
इस पर विचार करें कि यीशु ने स्त्री और धार्मिक गुरुओं दोनों को किस प्रकार प्रतिक्रिया दी। वह जानता था कि वे लोग उस स्त्री की चिंता के कारण उसे उसके सामने नहीं ला रहे थे, बल्कि केवल उसे शर्मिंदा करने और उसे फंसाने के लिए ला रहे थे। उसने स्त्री के व्यवहार को नज़रअंदाज करने और खुद को धार्मिक गुरुओं के साथ न जोड़ने का फैसला किया। उसने बुद्धिमानी से उन सभी को दृढ़ विश्वास तक पहुंचाया। विचार करें कि कैसे यीशु के हृदय ने दोनों पक्षों को पश्चाताप की ओर प्रेरित किया। यीशु पापों को क्षमा करने में सक्षम है – जो कार्य केवल परमेश्वर ही कर सकता है — क्योंकि वह परमेश्वर है। जब हम यीशु के चेले बनने का चुनाव करते हैं, तो वह हमें क्षमा करता है और हमें उसमें नया जीवन प्रदान करता है। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना
- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना
- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना
- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना
- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 8 यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान

मगदलीना यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान की व्याख्या करती है (मत्ती 27-28)

पीछे देखना

परवाह
- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना
- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी
- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण
- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

यीशु की मृत्यु की रात, स्त्रियाँ यीशु के शव को लेप करने के लिए सुगंधित वस्तुएं तैयार करने के लिए जल्दी से घर गईं। अगले दिन, उन्होंने सब्त का आदर किया और अगले दिन अपने प्रभु के शरीर में वापस लौटने की आशा के साथ विश्राम किया। यीशु की मार को याद करके उनकी आँखों में आँसू आ गए और उसकी मृत्यु की छवि उनके दिमाग में फिर से उभरने से उनका दिल भर आया। उनका प्रिय मित्र, उनका बचाने वाला और उनका राजा मर गया था।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा की गयी यीशु की मृत्यु की भविष्यद्वाणी क्यों महत्वपूर्ण है?
3. मरियम हमारे पाप और मृत्यु के श्राप का उल्लेख करती है। यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान ने इन दोनों चीज़ों पर कैसे विजय प्राप्त की?
4. मरियम रिव्का से कहती है, "तुम एक प्यारी बेटी हो।" यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान कैसे दर्शाता है कि हम परमेश्वर के प्रिय है?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
5. यह क्यों महत्वपूर्ण है कि अपनी मृत्यु के बाद यीशु कई बार मरियम और शिष्यों को दिखाई दिया?
6. भजन 22 को एक साथ पढ़ें। कौन से पद यीशु को मसीहा के रूप में पुष्टि करते हैं?
7. यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान के बीच तीन दिन थे। आपको क्या लगता है यीशु के मरने के बाद उसके सभी शिष्यों को कैसा महसूस हुआ होगा?

निष्कर्ष

भविष्यद्वक्ता यशायाह के शब्दों पर विचार करें, "परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे ही अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ" (यशायाह 53:5,बीएसआई)। यीशु ने लोगों को प्रेम किया। उसने उन्हें इतनी गहराई से और पूरी तरह से संजोकर रखा कि वह शापित हुआ, परमेश्वर से अलगाव सहा और हमारे लिए मर गया। और जब वह मृतकों में से जी उठा, तो उसने साबित कर दिया कि वह वास्तव में परमेश्वर था। उस दया और शक्ति पर विचार करें जो यीशु ने अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान में प्रदर्शित की थी। यीशु पर विचार करें।

आगे देखना

लागू करना
- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना
- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना
- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना
- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 9 यीशु को और उसकी क्षमा को जानना

रिवक का विश्वास करना (लूका 24:36-50)

पीछे देखना

परवाह
- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना
- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी
- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण
- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

हम अपनी श्रृंखला के अंत तक पहुँचते हैं, जैसे मरियम परमेश्वर की कहानी की समीक्षा करती है। वह हममें से प्रत्येक को देखता और जानता है। वह उद्धारकर्ता है, देहधारी परमेश्वर है, जो स्वतंत्रता और बंधन से मुक्ति देता है। वह इतना सामर्थी है कि मरे हुओं को जीवित कर सकता है और इतना दयालु है कि लोगों के गहरे दु:खों और शोक में उनसे मिल सकता है। उसके पास हमारे सबसे बुरे और शर्मनाक कार्यों के बावजूद भी हमें माफ करने और छुटकारा दिलाने का पूरा अधिकार है। और उसका वचन कार्य करता है, यहाँ तक कि मृत्यु में भी। देखें कि रिव्का यीशु को कैसे प्रतिक्रिया देती है।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?
2. यीशु के बारे में कौन सी विशेषता आपके लिए सबसे अधिक अर्थपूर्ण रही है?
3. हमारे पापों का परमेश्वर के साथ किस प्रकार मेल हो गया है?
4. रिव्का को विश्वास नहीं था कि उसे माफ किया जा सकता है। यह क्यों महत्वपूर्ण है कि उसका विश्वास अंततः परमेश्वर के वचन और उसकी क्षमा पर था, न कि इस पर कि वह कैसा महसूस करती थी या उसका व्यवहार कैसा था?
5. क्या आपमें से किसी ने रिव्का के जैसे प्रार्थना की? क्या आपमें से कोई ऐसा करना चाहेगा?

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...
6. यीशु के मानने वाले के लिए अपने उद्धार के प्रति निश्चिंत होना क्यों महत्वपूर्ण है?
7. क्या आप भी रिव्का की तरह झिझकते हैं? यदि हां, तो कृपया अपनी झिझक या चिंताएं साझा करें।
8. क्या आप अपना जीवन यीशु को अभी समर्पित करने पर विचार कर रहे हैं?

निष्कर्ष
इस भाग में, हम रिव्का को यीशु का अनुसरण करने का निर्णय लेते हुए देखते हैं। उसका अनुसरण करने की उलझनों पर विचार करें और इसका आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। क्या आप पाप से मुक्त होना चाहते हैं? क्षमा किया जाना और छुटकारा पाना? देखना और जानना? किसी पर विश्वास करना? सच्चा विश्वास और पाप के प्रति सच्चा दुःख वही है, जो यीशु हमसे चाहता है। एक बार जब आप उसके पास आ गए, तो आप निश्चिंत हो सकते हैं कि वह अब और हमेशा आपके विश्वास को देखेगा और उसका सम्मान करेगा। अब जब आपने यीशु पर विचार कर लिया है, तो निर्णय लेने का समय आ गया है। क्या आप उसका अनुसरण करेंगे?

** अगुवों के लिये टिप्पणी: किसी को यीशु का अनुसरण करने का निर्णय लेने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। समूह से अवश्य पूछें, "क्या किसी ने रिव्का की तरह प्रार्थना की? क्या आपमें से कोई ऐसा करना चाहेगा?" यदि यह अधिक उपयुक्त है, तो समूह के बाहर प्रत्येक महिला से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें।*

आगे देखना

लागू करना
- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना
- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना
- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना
- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

अध्याय 10 यीशु के साथ जीना

मसीही जीवन जीना (मत्ती 28:18-20)

पीछे देखना

परवाह

- पूछें कि आप कैसे हैं।
- उदारता का अभ्यास करें।

आराधना

- गीत और प्रार्थना के साथ आराधना।

विश्वासयोग्यता की खुशी

- जीत में एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारण

- एक-दूसरे को मसीह के वचनबद्ध अनुयायी होने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऊपर देखना

यीशु का अनुसरण करने का अर्थ है कि मरियम की तरह आप भी परिवर्तित हो जाएंगे। वह हमें किसी बड़ी चीज़ के लिए बुलाता है — अपनी पहचान से बाहर जीने और गरिमा, आशा और अच्छाई लेकर चलने के लिए। वह हमें जीवन के उन शब्दों को साझा करने के लिए बुलाता है, जिन्होंने दूसरों के साथ-साथ हमें भी बदल दिया है। वह हमें यह जानते हुए कि वह हमारे लिए है, अपने वचनों और आज्ञाओं पर विश्वास करने के लिए बुलाता है। वह हमें यह जानते हुए कि वह हमारे जीवन के हर हिस्से को जानता और समझता है, अपने में सुरक्षित रूप से विश्राम करने के लिए बुलाता है।

चरण 1: दिखाना। खंड को दो बार देखें।
चरण 2: बताना। सभा के किसी सदस्य से खंड की कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
चरण 3: पूरा करना। समूह में किसी को भी कहानी में खाली स्थान भरने या कोई सुधार करने की अनुमति दें।
चरण 4: चर्चा करना। सामूहिक चर्चा:

अपने स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इस खंड को देखने के लिए इस QR कोड का उपयोग करें।

1. *आपको कहानी में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया? किस चीज़ ने आपका ध्यान खींचा?*
2. *यीशु का अनुसरण करना कैसा लगता है?*
3. *यीशु के अंतिम शब्दों ने आप पर क्या प्रभाव डाला?*
4. *आप आपके जीवन के किन क्षेत्रों में यीशु के द्वारा बदलाव चाहते हैं?*

गहराई में जाना (यदि समय हो तो आगे की चर्चा करें)...

5. *यीशु को अपना जीवन बदलने की अनुमति देने के बारे में आपको सबसे अधिक डर किस बात से लगता है?*
6. *यीशु के शब्दों ने आपको कैसे चुनौती दी है?*

निष्कर्ष

यीशु के द्वारा अपने शिष्यों को कहे गए अंतिम शब्दों के तीन प्रमुख अंशों पर विचार करें। यीशु ने घोषणा की कि उसे स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार दिया गया है। वह हमें आज्ञा देता है कि हम जाकर चेले बनाएं और उन्हें उसकी हर आज्ञा का पालन करना सिखाएं। और वह हमें आश्वासन देता है कि वह युग के अंत तक भी हमारे साथ है। विचार करें कि यीशु की अंतिम घोषणा, उसकी आज्ञा और उसके आश्वासन को प्रकट करने का आपके जीवन में क्या अर्थ होगा। यीशु पर विचार करें।

आप यीशु का अनुसरण करने के लिए तैयार हैं या नहीं, क्या आप उसके बारे में सीखना जारी रखना चाहेंगे और आप उसका अनुसरण कैसे कर सकते हैं? आपकी आत्मिक यात्रा में सीखने और आगे बढ़ने दोनों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध हैं। हालाँकि यहाँ *यीशु पर विचार करें* सामग्री समाप्त हो जाती है, फिर भी आप आगे कई कदम उठा सकते हैं। एक साथ चर्चा करें कि आप में से प्रत्येक के लिए अगला कदम क्या हो सकता है। *रिव्का* और *यीशु को जानना* जीसस फिल्म प्रोजेक्ट के सुझाए गए अगले चरण हैं। अगुवों की मार्गदर्शिका के चरण चार में इन संसाधनों पर अधिक जानकारी शामिल है। **हो सकता है कि आपने जो सीखा है, उसे दूसरों के साथ साझा करना चाहें और अपना स्वयं का *यीशु पर विचार करें* समूह शुरू करना चाहें। यदि यह आपके लिए सही अगला कदम है तो सलाह और समर्थन के लिए अपने समूह के अगुवे से पूछें।**

आगे देखना

लागू करना

- परमेश्वर ने खुद को विश्वासयोग्य कैसे प्रकट किया?
- आपने परमेश्वर के बारे में जो सीखा है, उसे आप कैसे लागू करेंगे?

अभ्यास करना

- एक दूसरे को कहानी सुनाने का अभ्यास करें।

साझा करना

- आप यह कहानी किसके साथ साझा करेंगे?

प्रार्थना करना

- जो आपने सीखा है, उसके लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें।
- एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।
- समुदाय मे दूसरे लोगों के लिये प्रार्थना करें।

यीशु पर विचार करें

समुदाय के छोटे समूहों के लिए 10-सप्ताह की योजना

Jesus Film Project®
A Cru Ministry